

26³25/ शाजपठावकी पेश लुई वापि क व चीन वाली की
कर-कर कावाज लामबा मरु परनु काइ उपरिपु
नरी हुका न्यापालप का समप समाके की करे ही
पावकी शरम परेवी - अदम हाजरी की खारिप की
जासी ही पावकी फेमल सुमार हाइरु मरुवा ल
कम ही पावकी दारिप दकर हा

ॐ
उपलगाधिकारी
वाकी (मेलपुन) रुज